सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 240 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 10 अक्टूबर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

जब आप समुद्री डाकू बन सकते हैं तो फिर नौसेना में जाने की क्या जरूरत है?
-स्टीव जाब्स

शिमला पहुंचीं सोनिया गांधी, प्रियंका... 7 | अब जिले-जिले जातियों की गोट... 3 | संचारी रोगों पर नियंत्रण को अस्पतालों... 2

सियासत के एक युग का अंत

नहीं रहे 'धरती पुत्र' मुलायम

मेदांता अस्पताल में ली अंतिम सांस, देश में शोक की लहर

» राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत राजनीतिक दलों के दिग्गज नेताओं ने जताया दुख

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। धरती पुत्र मुलायम सिंह यादव नहीं रहे। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में आज सुबह 8:16 बजे अंतिम सांस ली। वे 82 वर्ष के थे। इसके साथ ही सियासत के एक युग का अंत हो गया। उनके निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, सीएम योगी आदित्यनाथ, कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी समेत विभिन्न दलों के दिग्गज नेताओं ने शोक व्यक्त किया। उनके निधन पर यूपी सरकार ने तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। कल पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनके पार्थिक शरीर का अंतिम संस्कार सैफई में होगा। नेताजी के निधन से पूरे देश में शोक की लहर है।

पहलवान और शिक्षक रहे मुलायम सिंह यादव ने लंबी सियासी पारी खेली। तीन बार यूपी के मुख्यमंत्री रहे। केंद्र में रक्षा मंत्री रहे। उन्हें बेहद साहसिक सियासी फैसलों के लिए भी जाना जाता है। उन्हें 22 अगस्त को मेदांता अस्पताल में भर्ती किया गया था। मुलायम सिंह को एक अक्टूबर की रात को आईसीयू में शिफ्ट किया गया था। मुलायम सिंह यादव का मेदांता के एक डॉक्टरों का पैनल इलाज कर रहा था। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और परिवार के अन्य सदस्य उनके साथ ही हैं। कल तीन बजे मुलायम सिंह यादव के पार्थिव शरीर का सैफई में अंतिम संस्कार किया जाएगा। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल पहुंचे और श्रद्धांजलि दी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मुलायम सिंह यादव के निधन की जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि मेरे आदरणीय पिता जी और सबके नेताजी नहीं रहे।

जन्म
22 नवंबर, 1939

निधन
10 अक्टूबर, 2022

कैबिनेट ने दी श्रद्धांजलि सभी प्रस्ताव स्थगित

प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कैबिनेट मंत्रियों ने दिवंगत मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। बैठक में 12 प्रस्ताव पेश होने थे। सभी प्रस्ताव स्थगित कर दिए गए हैं।

प्रदेश में तीन दिन का राजकीय शोक घोषित, कल सैफई में होगा अंतिम संस्कार

“ मुलायम सिंह यादव का निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति है। साधारण परिवेश से आए मुलायम सिंह यादव जी की उपलब्धियां असाधारण थीं। 'धरती पुत्र' मुलायम जी जमीन से जुड़े दिग्गज नेता थे। उनका सम्मान सभी दलों के लोग करते थे। उनके परिवार-जन व समर्थकों के प्रति मेरी गहन शोक-संवेदनाएं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

भावुक हुए पीएम मोदी, लिखा उनका निधन पीड़ा देता है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुलायम सिंह यादव के निधन पर काफी भावुक दिखे। उन्होंने कई ट्वीट कर मुलायम सिंह यादव के बारे में बहुत कुछ लिखा। साथ ही उन्होंने मुलायम सिंह के साथ अपनी तस्वीरों को ट्वीट करते हुए लिखा, मुलायम सिंह यादव जी विलक्षण व्यक्तित्व के धनी थे। उन्हें एक विनम्र और जमीन से जुड़े नेता के रूप में व्यापक रूप से सराहा गया, जो लोगों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील थे। उन्होंने लगन से लोगों की सेवा की और लोकनायक जेपी और डॉ. लोहिया के आदर्शों को लोकप्रिय बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने यूपी और राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई। वह आपातकाल के दौरान लोकतंत्र के लिए एक प्रमुख सैनिक थे। रक्षा मंत्री के रूप में, उन्होंने एक मजबूत भारत के लिए काम किया। उनका निधन मुझे पीड़ा देता है। उनके परिवार और लाखों समर्थकों के प्रति संवेदना। शांति।

सदियों में कोई होता है मुलायम जैसा नेता

» जमीन से जुड़ी राजनीति करते थे नेताजी

» हर कोई सराहता था उनके कार्यों को

□□□ संजय शर्मा

लखनऊ। साल था 1996। नेताजी रक्षा मंत्री थे, मायावती मुख्यमंत्री और मैं बदायूं जिले के एक अखबार का रिपोर्टर। टाटा फर्टिलाइजर की फैक्ट्री के सामने ग्रामीणों पर लाठीचार्ज किया गया था। इसमें कई ग्रामीण घायल हो गए थे। मैंने फोन पर इसकी सूचना नेताजी को दी। नेताजी ने कहा कि मुझे कल इस फैक्ट्री के सामने गुन्नौर में मिलना। अगले दिन मैं उनसे मिला। वे ग्रामीणों से मिले और मुझसे कहा, मेरे साथ दिल्ली चलो और इस पूरे मामले को विस्तार से मुझे लिखकर दो। मैं इस मामले में

ग्रामीणों को न्याय दिलाऊंगा। ये मेरी नेताजी के साथ पहली और यादगार मुलाकात थी। उसके बाद मेरा-उनका एक पारिवारिक रिश्ता कायम हो गया।

वे रक्षामंत्री थे तो मैंने उनके साथ दर्जनों यात्राएं कीं और उनकी ऊर्जा देखकर मैं हैरान हो जाता था। वे रात के डेढ़ बजे तक लोगों से बातचीत करते रहते थे और सुबह पांच बजे अगर मैं उनके साथ हूं तो उनके सुरक्षाकर्मी दरवाजा खटखटा दिया करते थे कि नेताजी टहलने को बुला रहे हैं। उन्होंने मुझे खुद राजनीति में आने और चुनाव लड़ने का न्योता भी दिया पर मैंने हाथ जोड़कर कहा कि राजनीति मेरे बस की बात नहीं, मुझे पत्रकारिता ही करनी है। मैं उन पलों का साक्षी रहा जब रक्षा मंत्रालय के साउथ ब्लाक की अंग्रेजी की नेम प्लेट को हटाकर उन्होंने इसमें हिंदी में भी लिखने को कहा था। हिंदी को स्थापित करने के लिए उन्होंने शानदार काम किया।

आंवला लोक सभा चुनाव में एक रैली को कवर करने के लिए मैं उनके साथ जा रहा था, हेलीकॉप्टर लैंड हो रहा था तभी अचानक झटके साथ पायलट ने उसे ऊपर उठा दिया। नेताजी और मैं लगभग कुर्सी पर लड़खड़ा गए। तब पायलट ने बताया कि नीचे हाई पावर टेंशन लाइन गुजर रही है व हेलीकॉप्टर ब्लास्ट होते-होते बचा है। यह सुरक्षा की गंभीर चूक थी। नाराज नेताजी ने पायलट से कहा कि किसी भी खेत में हेलीकॉप्टर उतार दो। पायलट झिझका मगर नेताजी की जिद पर खेत में हेलीकॉप्टर उतारा गया और मंच पर आते ही नेताजी ने इस सुरक्षा को लेकर जो भाषण दिया उसने दो घंटे में पूरे लोक सभा क्षेत्र का नजारा ही बदल दिया और पार्टी जीत गयी।

स्मृति शेष

रक्षामंत्री के रूप में उनकी ईमानदारी को देश का हर बड़ा राजनेता सराहता है। उनके दौर के रक्षा सौदों पर कभी कोई सवाल नहीं खड़ा हुआ। मैंने अखिलेश यादव की शादी के समय उनके भीतर की परेशानियां भी देखी और अखिलेश यादव के प्रति उनका अगाध प्रेम भी देखा है। वे अखिलेश यादव को एक मजबूत और पढ़ा-लिखा राजनेता बनाना चाहते थे। उनका धरती पुत्र नाम सच में सार्थक था क्योंकि उन्होंने हमेशा धरती से जुड़ी राजनीति की। जिस तरह आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनको याद करते-करते से पड़े वह यह दर्शाता है कि विपक्ष के नेता उनका कितना सम्मान करते थे। सदियों में कोई ऐसा नेता पैदा होता जैसे मुलायम सिंह यादव थे।

संचारी रोगों पर नियंत्रण को अस्पतालों में बनाए जाएं आईसोलेशन वार्ड: सीएम योगी

» नियमित साफ-सफाई और कोरोना को लेकर सतर्कता बरतने के दिए निर्देश

» बाढ़ प्रभावितों को पहुंचायी जाए राहत सामग्री, न पैदा हो जलभराव की स्थिति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बारिश से मलेरिया, डेंगू, काला जार और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के फैलने की आशंका रहती है। इसको लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। प्रदेश में चल रहे संचारी रोग नियंत्रण अभियान को अंतर विभागीय समन्वय से धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करें। संचारी रोगों पर प्रभावी रोकथाम के लिए सभी जिलों में मेडिकल कॉलेजों, जिला अस्पतालों में डेंगू और आईसोलेशन वार्ड बनाएं। अस्पतालों में नियमित साफ सफाई होती रहे, इस पर विशेष ध्यान दें।

सीएम योगी ने कोरोना और संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण की समीक्षा बैठक में अधिकारियों से कहा कि प्रदेश में कोरोना टेस्टिंग की संख्या को और बढ़ाने की आवश्यकता है। कोविड को लेकर डरने वाली स्थित नहीं है लेकिन आने वाले पर्व और त्योहारों के दौरान बाजारों में भीड़ उमड़ेगी। इसे देखते हुए विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। इसके लिए स्वास्थ्य और गृह विभाग विशेष सतर्कता बरतें। साथ ही गृह विभाग पब्लिक एड्रेस सिस्टम को और बेहतर बनाए। उन्होंने प्रदेश में असमय हो रही बारिश को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश में कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न होने पाए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रभावित लोगों को जनप्रतिनिधियों के माध्यम से राहत सामग्री का वितरण किया जाए। साथ ही जनधन की हानि पर शासन द्वारा अनुमन्य राहत राशि दी जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय मंत्री और अधिकारी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भौतिक निरीक्षण करें। कोविड टीकाकरण अभियान की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश में अब तक कोविड रोधी वैक्सीन की 39 करोड़ डोज लगाई जा चुकी है, जो पूरे देश में सबसे ज्यादा है। प्रिकॉशन डोज 4.39 करोड़ लगाई गई है। प्रदेश में सक्रिय मरीजों की संख्या 385 है। संक्रमण दर 0.15 प्रतिशत है। सात दिनों में प्रदेश में ढाई लाख टेस्टिंग हुई है जो पूरे देश का 25 प्रतिशत है। वहीं, आठ अक्टूबर को 50 हजार टेस्टिंग की गई है।

महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली चित्रकूट बनेगा पर्यटन केंद्र: सीएम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामायण महाकाव्य के रचयिता आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती के मौके पर कहा कि महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली चित्रकूट को प्रदेश सरकार बड़े पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने में लगी है। कुछ वर्ष में चित्रकूट पर्यटन का समृद्ध केन्द्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही वाल्मीकि समाज की समस्याएं को लेकर कहा कि आयोग बनाकर उनको शीर्ष प्राथमिकता पर दूर किया जा रहा है। महर्षि वाल्मीकि ने भगवान श्रीराम का साक्षात्कार हम सबसे करवाया। महर्षि वाल्मीकि ने भगवान राम पर पहला महाकाव्य रचा था। इसके बाद दुनिया भर में इसी ग्रंथ को आधार बनाकर भगवान श्रीराम के चरित्र को रचा गया। हमारा सौभाग्य है कि आज महर्षि वाल्मीकि का पावन जन्मोत्सव मना रहे हैं। अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर युद्धस्तर पर बन रहा है। महर्षि वाल्मीकि का पावन धाम, उनकी तपोस्थली लालापुर चित्रकूट में है। भगवान श्रीराम ने वनवास के समय सर्वाधिक समय चित्रकूट में ही व्यतीत किया था। उसी चित्रकूट में संत तुलसीदास की जन्मभूमि राजापुर भी स्थित है। हमारी सरकार ने दोनों पावन स्थलों का सौंदर्यीकरण करके पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने कार्य किया है।

हुक्मरान समाज बनने के अभियान में जुटे बहुजन समाज: मायावती

» पुण्यतिथि पर कांशीराम को दी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि बहुजन समाज के गरीब, पिछड़े लोग अपना संवैधानिक, कानूनी हक मांगते-मांगते परेशान हो चुके हैं । ये अब अपनी पूरी ताकत और शिद्दत के साथ हुक्मरान समाज बनने के अभियान में जुटेंगे। यह नहीं देखा जाएगा कि कौन पार्टी में आया, कौन कहां गया। बहुजन मूवमेंट जीवित था और आगे भी जीवित रहेगा।

कांशीराम की पुण्यतिथि के अवसर पर लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में उनकी प्रतिमा पर मायावती ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि कांशीराम सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति के वाहक थे। उन्होंने बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के कारवां को आगे बढ़ाने में अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज को सामूहिक व संगठित राजनीतिक शक्ति में पिरोकर उन्हें शासक समाज बनाने के लिए कांशीराम हमेशा लगे रहे। समाज के लोगों ने चार बार सरकार बनाकर यह देख भी लिया कि सत्ता की मास्टर चाबी उन्हीं के पास है । उन्होंने कहा कि जब जागो तभी सवेरा अर्थात यूपी में आने वाला निकाय चुनाव सहित अगला कोई भी चुनाव आपकी आजमाइश एवं चुनौती हो सकता है। इसकी तैयारी व सफलता बहुत कुछ परिवर्तन की राह आसान कर सकती है यानी उन्होंने निकाय चुनाव में भी बसपाइयों को शिद्दत से जुट जाने का संदेश दिया। इशारों-इशारों में उन्होंने यह भी कह दिया कि निकाय चुनाव में बसपा मजबूती के साथ लड़ेगी।

मोदी, योगी सरकार में व्यापारी सुरक्षित: स्वतंत्रदेव

» अब बदल रहा है यूपी, हो रहा तेजी से निवेश

» वैश्य समाज की राजनीति में बढ़ायी जाएगी भागीदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार की तमाम उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि वैश्य समाज का देश की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान है। मोदी और योगी सरकार में ही व्यापारी सुरक्षित है।

सिविल लाइंस स्थित पृथ्वी गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में स्वतंत्र देव ने कहा कि जब भाजपा की सरकार नहीं थी, तब के दिन याद कीजिए। उस दौरान सरेआम व्यापारियों का अपहरण, लूट, छिनैती आदि की जाती थी। अब यूपी बदल गया है। अब बेटियां आधी रात को भी अकेली निकलती हैं तो उन्हें डर नहीं लगता क्योंकि प्रदेश में योगी सरकार है। अब प्रदेश की छवि ऐसी हो गई है कि देश के उद्योगपति यहां निवेश करने लगे हैं। वैश्य समाज के नेताओं ने कहा है कि राजनीतिक भागीदारी बढ़ाई जाए। टिकट दिलाने में मदद की जाए इसलिए मैं इस मंच से वादा करता हूं कि वैश्य समाज के लोगों की पूरी मदद की जाएगी। इसके पूर्व वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. गिरीश संघी ने कहा कि वैश्य समाज के बिखराव को खत्म करना होगा, इसके लिए हमें एकता दिखानी होगी। एकजुट होने से ही हमें हमारा हक मिलेगा। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सुधीर हलवासिया ने कहा कि अब समाज राजनीतिक भागीदारी लेकर ही मानेगा। सांसद प्रतापगढ़ संगम लाल गुप्ता ने कहा कि समाज के युवा आगे आएं क्योंकि भाजपा उन्हें मंच देने को तैयार है।

कल बलिया पहुंचेंगे गृहमंत्री अमित शाह

» जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा का करेंगे अनावरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलिया। लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जन्मस्थली लाला टोला सिताबदियारा में मंगलवार को गृहमंत्री अमित शाह पहुंचेंगे। गृहमंत्री जेपी स्मारक भवन में जेपी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण करेंगे और इसके साथ ही प्रशिक्षण केंद्र सहित अन्य योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत प्रदेश के कई मंत्री शामिल हो सकते हैं। वहीं बिहार सरकार के भी कई मंत्रियों के भी कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है।

जयप्रकाश नारायण की जन्मस्थली लाला टोला सिताबदियारा में कल गृहमंत्री अमित शाह का आगमन हो रहा है। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर पूरे सिताबदियारा में चहल-पहल है। रविवार को केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय, बिहार के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल, सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त, राज्य सभा सदस्य नीरज शेखर ने कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। स्मारक के आगे सभा स्थल व हेलीपैड का मुआयना किया। गृहमंत्री अमित शाह स्मारक भवन में जेपी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण करेंगे। साथ में प्रशिक्षण केंद्र सहित अन्य योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम की तैयारी के लिए बिहार व यूपी के अधिकारियों का जमावड़ा लगा है। सड़क निर्माण, साफ सफाई सहित अन्य कार्य युद्ध स्तर पर हो रहे हैं। स्मारक परिसर में गृह मंत्री की सभा के लिए तीन जर्मन हैंगर पंडाल लग रहे हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

सरकार बनने पर पीजी तक देंगे मुफ्त शिक्षा: राजभर

» गरीबों के घरेलू बिजली का बिल माफ करें सरकारें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मिर्जापुर। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि प्रदेश में पार्टी की सरकार बनने पर बच्चों को स्कूल नहीं भेजने वाले परिजनों को जेल में डाला जाएगा। वहीं स्नातकोत्तर तक शिक्षा मुफ्त की जाएगी। सावधान यात्रा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकारें बड़े उद्योगपतियों का एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज माफ कर सकती है तो गरीबों के घरेलू बिजली बिल भी माफ किया जाना चाहिए। उनकी पार्टी मुफ्त बिजली, निःशुल्क व एक समान शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, निजी व सरकारी सभी अस्पतालों में सरकार के खर्च पर गरीबों व आम आदमी के इलाज के लिए लड़ाई लड़ रही है। साथ ही देश व प्रदेश में जातीय जनगणना कराने की लड़ाई लड़ रही है। इस आंदोलन से सरकारें दबाव में हैं। जनता इस मुद्दे पर जितनी जल्दी मुखर होगी, उतनी जल्दी इसे कराने में सफलता मिल जाएगी। उन्होंने बताया कि लोक सभा चुनाव में पार्टी बिहार में भी मजबूती से चुनाव लड़ेगी।

अब जिले-जिले जातियों की गोट सजाएंगे राजनीतिक दल

लोक सभा चुनाव के लिए सभी दलों ने अभी से बनाई रणनीति

प्रदेश स्तर पर संगठन खड़ा करने की तैयारी में लगा सत्ता पक्ष व विपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी में कोई परिवर्तन नहीं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ने लोक सभा चुनाव को देखते हुए खूब मंथन कर अपनी रणनीति के हिसाब से प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर दिए। अब प्रदेश स्तर पर तीन दलों की कमान पिछड़ों और एक की दलित के हाथ में है। अब बारी निचले स्तर पर संगठन खड़ा करने की है। स्थानीय जातीय समीकरणों को देखते हुए भाजपा सहित सभी राजनीतिक दल अपनी गोट बिछाने की तैयारी में हैं। यथासंभव यह परिवर्तन निकाय चुनाव के बाद होंगे।

इसके अलावा सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर भी पहली बार चुनावी मूड में हैं। वे सत्ता पक्ष व विपक्ष के लिए लगातार चुनौती बन रहे हैं। हकीकत यह है कि सपा से गठबंधन तोड़ने के बाद वे बीजेपी में जाने की जुगत लगा रहे, मगर राजभर को लेकर भाजपा के नेता एकमत नहीं है। फिलहाल अभी उनको किसी भी पार्टी का सहारा नहीं मिल रहा है और वे सावधान यात्रा निकालकर अपनी ही पार्टी व संगठन को मजबूत कर रहे हैं। योगी सरकार के पहले कार्यकाल में कैबिनेट मंत्री रहे राजभर ने इस्तीफा दिया और फिर विधान सभा चुनाव 2022 में समाजवादी पार्टी के साथ

गठबंधन कर छह सीट जीतीं। अब फिर से भाजपा के करीब आने के प्रयास में लगे हैं। राजभर को लेकर भारतीय जनता के नेता ही एकमत नहीं हैं। बलिया में ओम प्रकाश राजभर को जहां प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने भाजपा का स्थाई मित्र बताया था। वहीं श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर उनको भरोसा करने लायक ही नहीं मानते हैं। योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने ओम प्रकाश राजभर को लेकर कहा कि उनके लिए भारतीय जनता पार्टी में अब कोई जगह ही नहीं है। अनिल राजभर ने कहा कि 2017 में भाजपा की मदद से पांच सीट जीतने वाले ओम प्रकाश 2022 में समाजवादी पार्टी के साथ हो गए। ऐसे लोगों पर भरोसा करना ठीक नहीं है। वह भाजपा में आने लायक नहीं है, उनके लिए भाजपा में तो जगह ही नहीं है। अनिल राजभर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ओम प्रकाश राजभर के लिए भाजपा में कोई वेकेंसी नहीं है।

भाजपा ने भूपेंद्र सिंह चौधरी को सौंपा दायित्व

प्रदेश अध्यक्ष तय करने में सबसे अधिक मंथन भाजपा और कांग्रेस ने किया। भाजपा ने चौंकाने वाला निर्णय करते हुए पहली बार प्रदेश संगठन की कमान जाट बिरादरी के भूपेंद्र सिंह चौधरी को सौंपी। इससे पहले माना जा रहा था कि भाजपा पिछले लोक सभा चुनावों की तरह ब्राह्मण नहीं तो बसपा के पाले से दलित वोट को खींचने के लिए दलित नेता को प्रदेश अध्यक्ष बना सकती है, लेकिन पार्टी ने अन्य क्षेत्रों की अपनी मजबूती का आकलन करते हुए पश्चिम का दुर्ग संभालने की रणनीति के तहत सपा-रालोद गठबंधन को बेअसर करने के लिए भूपेंद्र सिंह चौधरी को यह दायित्व सौंप दिया।

सपा और कांग्रेस ने भी चला दांव

भाजपा के बाद सपा ने सर्वाधिक आबादी वाले पिछड़ा वर्ग को साधने के लिए नरेश उत्तर पटेल को प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर बरकरार रखने का निर्णय किया। बसपा ने पहले से अति पिछड़ा वर्ग के भीम राजभर को पद सौंप रखा है। ऐसे में कांग्रेस ने दलित कार्ड चलकर बृजलाल खाबरी को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया तो नया प्रयोग करते हुए जातीय संतुलन बनाने की मंशा से ही छह प्रांत बनाकर नसीमुद्दीन सिद्दीकी, नकुल दुबे, योगेश दीक्षित, अनिल यादव, अजय राय और वीरेंद्र चौधरी को प्रांतीय अध्यक्ष बना दिया। इनमें दो ब्राह्मण, एक भूमिहार, एक मुस्लिम और दो पिछड़ा वर्ग से हैं। इस तरह प्रदेश की टीम तो सभी दलों ने तैयार कर ली और अब यही रणनीति जमीनी स्तर पर भी चलने की तैयारी है।

निकाय चुनाव के परिणामों के आधार पर समीक्षा

अभी सभी पार्टियां निकाय चुनाव की तैयारी में जुट गई हैं। संभव है कि इसके परिणामों के आधार पर ही समीक्षा करते हुए नए सिरे से क्षेत्र और जिलों में संगठन की नई टीम खड़ी की जाएगी। इसमें क्षेत्रीय प्रभाव को देखते हुए जातियों को प्रतिनिधित्व देने के लिए जिला और महानगर इकाइयों के अध्यक्ष, महामंत्री आदि नियुक्त किए जाएंगे। उससे पहले प्रदेश की टीम में भी बदलाव होने हैं। उसमें भी पार्टियों का यह प्रयास दिखना तय है।

निकाय चुनाव: भाजपा ने बनायी रणनीति सभी सीटों को जीतने का रखा लक्ष्य

- प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने संभाली कमान, चुनाव प्रभारियों के साथ किया मंथन
- सिर्फ जिताऊ प्रत्याशी को दिए जाएंगे टिकट, आम चुनाव के लिए भी बनाएगी माहौल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में लगातार दूसरी बार प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लौटी भाजपा अब निकाय चुनाव की तैयारियों में जुट गयी है। खुद प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कमान संभाल ली है। पिछले दिनों लखनऊ में आयोजित बैठक में भाजपा संगठन ने सभी सीटों पर जीत दर्ज करने की रणनीति बनायी गयी। चुनाव प्रभारियों के साथ मंथन के दौरान इसे जमीन पर उतारने लिए संगठन ने पुख्ता रणनीति बनायी है।

प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सभी निकाय चुनाव प्रभारी भी शामिल हुए थे। प्रदेश अध्यक्ष ने निकाय चुनाव में सभी सीटों को जीतने का लक्ष्य बताया। क्षेत्रवार बैठक में प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह प्रत्याशियों के चयन, चुनाव प्रबंधन, बूथ प्रबंधन, जनसभा और चुनावी मुद्दों पर मंथन

वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया 20 के बाद

शासन स्तर पर चल रही नगर निकाय चुनाव की तैयारियों में 20 अक्टूबर के बाद तेजी आएगी। इसके बाद ही महापौर और चेयरमैन की सीटों और वार्डों के आरक्षण का काम शुरू होगा। इसके लिए वार्डों में रैपिड सर्वे का काम चल रहा है। इसके पूरा होने के बाद वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया शुरू होगी। सूत्रों का कहना है कि रैपिड सर्वे से लेकर आरक्षण तक का काम पूरा करने में कम से कम एक माह लग सकता है। इसके बाद ही चुनाव का कार्यक्रम तय हो पाएगा। सभी जिलों के जिलाधिकारियों से 20 अक्टूबर तक रैपिड सर्वे का काम समाप्त कर रिपोर्ट शासन को देने के लिए कहा गया है। जिससे इस रिपोर्ट के आधार पर वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। प्रावधान के मुताबिक वार्डों के रैपिड सर्वे में पिछड़ी जातियों की गिनती की जाती है। पहले ओबीसी महिलाओं की और फिर ओबीसी पुरुषों की गिनती की जाती है। बाद में अन्य जातियों की गिनती करके रिपोर्ट तैयार की जाती है और इसके आधार पर वार्डों का आरक्षण किया जाता है। कई नगर निकायों में सर्वे का काम पूरा हो चुका है। रैपिड सर्वे रिपोर्ट आधार पर वार्डों के आरक्षण के लिए उसकी अनंतिम सूची जारी की जाएगी और नागरिकों से उस पर आपत्ति व सुझाव मांगे जाएंगे। इस प्रक्रिया में कम से कम 15 दिन का समय लगेगा। आपत्तियों व सुझावों के निस्तारण के बाद अंतिम सूची जारी की जाएगी। इसके बाद चुनाव के कार्यक्रम तय होंगे। ऐसे में नगर निकाय का चुनाव दिसंबर में हो सकता है।

किया। पहली बैठक कानपुर-बुंदेलखंड और अवध क्षेत्र की रखी गई है। 17 नगर निगमों के प्रभारी, सह-प्रभारी और चुनाव संयोजकों की बैठक भी हुई। दरअसल, यूपी में होने जा रहे नगर निकाय चुनाव को भाजपा ने 2024 में होने जा रहे लोक सभा चुनाव का सेमीफाइनल मान रही है। इस लिहाज से पार्टी ने लोक सभा की सभी 80 सीटें जीतने के लिए नगर निकाय की सभी सीटें जीतने का प्लान बनाया है। पार्टी ने इस बार तय किया है कि टिकट सिर्फ जीतने वाले कैंडिडेट को ही दिया जाएगा। किसी भी मंत्री या पदाधिकारी के बेटे-पत्नी या रिश्तेदारों पर दांव नहीं लगाया जाएगा। पार्टी नगर निकाय चुनाव की जीत से आम चुनाव के लिए माहौल बनाएगी।

इनको दी गयी जिम्मेदारी

प्रदेश अध्यक्ष ने जिन बड़े मंत्रियों को नगर निगमों की कमान सौंपी है, उसमें डिप्टी सीएम केशव मौर्य को वाराणसी और बृजेश पाठक को आगरा की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही सरकार के वरिष्ठ मंत्री सुरेश खन्ना को लखनऊ नगर निगम की कमान दी है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को कानपुर की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा ने सरकार के मंत्री केपी मलिक को मेरठ, मंत्री असीम अरुण को सहारनपुर, मंत्री जसवंत सैनी को मुरादाबाद, मंत्री धर्मपाल सैनी को फिरोजाबाद और मंत्री जयवीर सिंह को अलीगढ़ नगर निकाय के प्रभारी की जिम्मेदारी दी है। इसके अलावा मंत्री कपिलदेव अग्रवाल को शाहजहांपुर, मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी को बरेली, मंत्री बेबी रानी मौर्य को झांसी, मंत्री सूर्य प्रताप शाही को अयोध्या, मंत्री जितिन प्रसाद को प्रयागराज और मंत्री अरुण सक्सेना को गोरखपुर नगर निकाय की जिम्मेदारी दी है। भाजपा ने सभी 17 नगर निगमों, 200 नगर पालिका परिषदों सहित प्रमुख नगर पंचायतों में परचम फहराने के लक्ष्य रखा है। मथुरा-वृंदावन, मेरठ, गाजियाबाद और मुरादाबाद नगर निगमों की जिम्मेदारी मंत्रियों को सौंपी गई है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सीमा पार से आते ड्रग्स और हथियार खतरे की घंटी

पाकिस्तान से देश में तस्करी के जरिए ड्रग्स व हथियारों की खेप पहुंचायी जा रही है। जहां गुजरात में तटरक्षक बल ने एक पाकिस्तानी नाव से 350 करोड़ की पचास किलो हेरोइन बरामद की वहीं पंजाब में सीमा पार से आए हथियारों की बड़ी खेप पकड़ी गई है। इस मामले में गुजरात से छह और पंजाब से तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इससे आईएसआई द्वारा ड्रोन से हथियारों को पंजाब में भेजने के मॉड्यूल का पर्दाफाश हुआ है। सवाल यह है कि सीमावर्ती राज्यों में पाकिस्तान की ओर से भेजे जा रहे ड्रग्स और हथियार क्या बड़ी साजिश की ओर इशारा कर रहे हैं? क्या देश में सक्रिय आतंकी स्लीपर सेल को ड्रग्स के जरिए पैसा कमाने का साधन मुहैया कराया जा रहा है? क्या आतंकी संगठनों ने अपनी रणनीति पूरी तरह बदल दी है? ड्रोन के जरिए हथियार पहुंचाने की रणनीति के पीछे इनका असली मंसूबा क्या है? क्या जम्मू-कश्मीर में मुंह की खाने के बाद आतंकियों के निशाने पर पंजाब है? क्या पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई पंजाब में खालिस्तानी आतंकियों को फिर से गोलबंद करने की रणनीति पर काम कर रही है?

जम्मू-कश्मीर में धारा 370 की समाप्ति और यहां आतंकियों के सफाए से पाकिस्तान बौखला गया है। उसने आतंकी संगठनों को फिर से सक्रिय कर दिया है। सुरक्षा बलों की चौकसी के कारण आतंकी सीमा पार से जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ नहीं कर पा रहे हैं। आतंकियों के स्लीपर सेल भी खत्म हो रहे हैं। लिहाजा पाकिस्तान के हुक्मरान, आईएसआई और आतंकी संगठन देश के दूसरे सीमावर्ती राज्यों में बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। वे खालिस्तानी आतंकियों को पंजाब में शह देने में लगे हैं। पंजाब में जिस प्रकार खुलेआम खालिस्तानियों ने जुलूस निकाले, वह इसकी पुष्टि करता है। इन आतंकियों को हथियारों से लैस करने के लिए पाकिस्तान ड्रोन के जरिए हथियार पहुंचा रहा है। यहां से हथियारों से भरे ड्रोन बरामद किए गए हैं। चूंकि पाकिस्तान की आर्थिक हालत खस्ता है इसलिए वह ड्रग्स को तस्करी के जरिए यहां खपा कर आतंकियों को पैसा मुहैया कराना चाहता है। इसके अलावा वे पंजाब और सीमावर्ती राज्यों के युवाओं को नशे का आदी बनाने की साजिश भी रच रहा है। आतंकी संगठन अब स्थानीय नवयुवकों को पैसे का लालच देकर आतंकी बनाने की चाल चल रहा है। जाहिर है, पाकिस्तान और उसके पाले आतंकी संगठनों से निपटने के लिए सीमा पर और चौकसी बढ़ाने और खुफियां एजेंसियों को हमेश अलर्ट पर रहने की जरूरत है। इसके अलावा सरकार को आतंकवाद के मुद्दे पर दुनिया के देशों को पाकिस्तान के खिलाफ कूटनीतिक रूप से एकजुट करना होगा।

सवाल यह है कि सीमावर्ती राज्यों में पाकिस्तान की ओर से भेजे जा रहे ड्रग्स और हथियार क्या बड़ी साजिश की ओर इशारा कर रहे हैं? क्या देश में सक्रिय आतंकी स्लीपर सेल को ड्रग्स के जरिए पैसा कमाने का साधन मुहैया कराया जा रहा है? क्या आतंकी संगठनों ने अपनी रणनीति पूरी तरह बदल दी है? ड्रोन के जरिए हथियार पहुंचाने की रणनीति के पीछे इनका असली मंसूबा क्या है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

वसूली में गरीब को जलालत

देविंदर शर्मा

कुछ दिन पहले झारखंड के किसान मिथिलेश मेहता की बेटी जो गर्भवती थी, उसे एक बड़ी फाइनेंस कंपनी के वसूली-गुर्गों ने वाहन से कुचलकर मार डाला जब उसने अपने पिता द्वारा लिए कर्ज की एवज में ट्रैक्टर जब्त करने का विरोध किया। मिथिलेश ने ट्रैक्टर खरीदने के लिए निजी वित्तीय कंपनी से ऋण लिया था। उसने कुछ किश्तें चुकाई भी लेकिन कोविड महामारी के दौरान टूट गयी। इसके बाद कंपनी अधिकारियों और उसके बीच नया करार हुआ जिसके तहत बकाया कर्ज पर अतिरिक्त सूद देना मंजूर किया। हालांकि 10000 रुपये जैसी छोटी रकम को लेकर असहमति थी। 'एक इंसानी जिंदगी की क्या कीमत है'- व्यथित मिथिलेश ने पूछते हुए आगे कहा 'महज 10000 रुपये'। उसकी बेटी स्नातक थी और उसने वसूली एजेंट द्वारा ट्रैक्टर जब्त करने से पहले 'जब्तगी कागजात' दिखाने की बात कहने की हिमाकत की थी। इस पर गुर्गों ने कहा, 'कागज मांग रही है, हट गाड़ी चढ़ा देंगे' और उसे वाहन तले रौंद डाला।

एक युवा स्त्री की मौत ने एक बार फिर जबरिया वसूली और निष्ठुरता भरे तौर-तरीकों की ओर ध्यान खींचा है, जिसका उपयोग गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां किसानों को दिए ऋण की वसूली के लिए करती आई हैं। तथ्य यह है कि बतौर तीसरा पक्ष वसूली करने का काम अब एक संगठित धंधा बन गया है। यह सर्वविदित है कि ज्यादातर किसान इसलिए खुदकुशी करते हैं जब बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं और सूक्ष्म वित्तीय संस्थाओं द्वारा की गई बेइज्जती और दबाव बर्दाश्त से बाहर हो जाते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, किसानों की खुदकुशी का सबसे बड़ा कारण बैंक से लिया ऋण है और 80 फीसदी मामले इससे संबंधित हैं। बैंक और निजी कर्जदाता अक्सर वसूली करने के लिए बाहरी एजेंसियों की सेवाएं लेते हैं। इसके अलावा बैंक खाली चेक के रूप में जमानत रख लेने के लिए कुख्यात हैं और कर्ज अदायगी टूटने पर बकाया राशि इनमें भरकर न्यायालय के जरिये जेल भिजवाने की नौबत बनाकर, अप्रत्यक्ष वसूली वाला पैंतरा अपनाते हैं। इस वर्ष पंजाब सरकार को लगभग 2000 किसानों के खिलाफ जारी हुए गिरफ्तारी वारंट रद्द करने पड़े जो पंजाब स्टेट को-ऑपरेटिव एग्रीकल्चर डेवलपमेंट बैंक से लिया कर्ज वापस करने में चूक गए थे। यहां सवाल पैदा होता है कि वसूली-तंत्र क्या केवल आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लिए

बना रखा है? कॉर्पोरेट्स का बकाया कर्ज उगाहने को वसूली करने वाली इन बाहरी कंपनियों को क्यों नहीं लगाया जाता? जब मामला बड़े कर्जदारों की उगाही का हो तब बैंक खेल खेलने लगते हैं।

मनी लाइफ की रिपोर्ट के अनुसार, अधिसूचित बैंकों का सीबिल डाटा बताता है कि पिछले पांच वर्षों में, इस साल बकाया वसूली का आंकड़ा तीन गुणा बढ़कर 8.58 लाख करोड़ छू गया है। जहां वसूली-गुर्गों ने कृषक मिथिलेश मेहता की बेटी को महज 10000 रुपये के पीछे कुचलकर मरा डाला वहीं विभिन्न बैंकों ने 30,359 ऐसे लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया हुआ है जिनमें हरेक के ऊपर 1 करोड़ से ज्यादा का कर्ज बकाया है। सूची में महाराष्ट्र सबसे ऊपर है, दिल्ली दूसरे और तेलंगाना तृतीय स्थान पर है। सवाल यह कि जब कर्ज उगाही में वसूली कंपनियों को बतौर एक प्रभावी औजार की तरह लिया जाता है और जब चाहा किसानों पर इस्तेमाल किया जाता है, तब फिर यही तरीका बड़े ऋण-अपराधियों पर क्यों नहीं लगाते? अदालती मुकदमा जब बड़ी मछलियों के खिलाफ होता है तो हम जानते हैं कि यह सालों-साल लटकेगा, इसी तर्ज पर गलती करने वाले किसानों पर मुकदमा क्यों नहीं चलाते?

इसी तरह खाली चेक का इस्तेमाल केवल किसान की ऋण उगाही के लिए ही क्यों, बड़े गुनहगारों के विरुद्ध क्यों नहीं? अलग लोगों के लिए अलग नियम। जहां चूक करने वाले किसान को मुसीबतें और अत्याचार झेलने पड़ते हैं वहीं अमीर बकायादार जन्मदिन पार्टियों पर करोड़ों खर्च करते नजर आते हैं। सरफाइसी कानून, ऋण उगाही न्यायाधिकरण, इन्सॉलवेंसी एंड बैंकरप्सी कोड और एकमुश्त अदायगी के बावजूद अमीर कर्जदारों की जिंदगी पहले की तरह चलती रहती है। वास्तव में, विशालकाय कर्ज के अनुपात में उतने ही बड़े संत्रास और अवसाद में डूबने की बजाय अमीर कर्जदार के लिए पल्ला झाड़कर नये सिरे से ऋण लेने की प्रक्रिया शुरू करना आसान है लेकिन, जैसा कि हम जानते हैं किसान इतने खुशनसीब नहीं हैं।

क्या पुतिन को झुका पायेंगे पश्चिमी देश

अश्विनी महाजन

ताजा जानकारी के अनुसार, तेल और गैस से निर्यातों से ही रूस को इस साल 38 प्रतिशत अधिक प्राप्तियां होने वाली हैं। रूसी निर्यातों की आधी आमदनी तेल और गैस से होती है। पहले से अधिक मात्रा में गैस और तेल के निर्यात और बढ़ती वैश्विक कीमतों के चलते रूस को इस वर्ष मात्र गैस और तेल के निर्यात से ही 332.5 अरब डॉलर की कमाई होने वाली है। कहा जा सकता है कि रूस को अमेरिकी प्रतिबंधों से नुकसान कम फायदा ज्यादा हो रहा है।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों सहित लगभग 50 देशों ने रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाये हैं। इतिहास गवाह है कि कुछ मामलों को छोड़कर पश्चिमी देश ऐसे प्रतिबंधों को लगा कर या लगाने की धमकी देकर अपनी बातें शेष विश्व से मनवाते रहे हैं। फरवरी, 2022 से पूर्व भी अमेरिका द्वारा रूस पर कई प्रतिबंध लगाये जा रहे थे लेकिन उसके बाद और अधिक प्रतिबंध लगाये गये हैं।

पुतिन ने अपने हालिया बयान में कहा है कि यूरोपीय देश रूस पर प्रतिबंध लगाकर अपने ही नागरिकों के जीवन स्तर की बलि तो चढ़ा ही रहे हैं, गरीब मुल्कों की खाद्य सुरक्षा भी खतरे में डाल रहे हैं। रूस पर प्रतिबंधों के चलते गरीब मुल्क, जो खाद्य पदार्थों के लिए शेष दुनिया पर निर्भर करते हैं, उनके लिए न केवल खाद्य आपूर्ति प्रभावित हो रही है बल्कि बढ़ती कीमतों के चलते खाद्य पदार्थ गरीब मुल्कों की पहुंच से भी बाहर हो रहे हैं। इन प्रतिबंधों के चलते बड़ी संख्या में अमेरिकी और यूरोपीय कंपनियां रूस छोड़ रही हैं। रूस ने तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए जर्मनी जाने वाली गैस पाइपलाइन 'नार्ड स्ट्रीम' बंद कर दी है और इसके चलते यूरोपीय देश रूसी गैस और तेल पर अपनी निर्भरता घटाने की बात कर रहे हैं। तेल और आवश्यक कच्चे माल के अभाव में यूरोपीय कंपनियां ठप्प हो रही हैं और यूरोप में रोजगार प्रभावित हो रहा है। यूक्रेनी विदेश मंत्री ने भी यह कहा है कि यूरोप के गृहस्थों के कुशलक्षेम को रूस बर्बाद कर रहा है। गौरतलब है कि 'स्विफ्ट' नाम की भुगतान प्रणाली के माध्यम से वैश्विक लेनदेन संपन्न होता रहा है। जब रूस को इस प्रणाली से बेदखल किया गया, तो अमेरिका एवं उसके सहयोगी राष्ट्रों को उम्मीद थी कि चूंकि रूस अपने निर्यातों के भुगतान प्राप्त नहीं कर पायेगा तो उसे उनके सामने झुकना ही पड़ेगा, लेकिन वे देश अपने उद्देश्य में सफल न हो सके। रूस के निर्यात घटने की बजाय बढ़ गये।

ताजा जानकारी के अनुसार, तेल और गैस से निर्यातों से ही रूस को इस साल 38 प्रतिशत अधिक प्राप्तियां होने वाली हैं। रूसी निर्यातों की आधी आमदनी तेल और गैस से होती है। पहले से अधिक मात्रा में गैस और तेल के निर्यात और बढ़ती वैश्विक कीमतों के चलते रूस को इस वर्ष मात्र गैस और तेल के निर्यात से ही 332.5 अरब डॉलर की कमाई होने वाली है। कहा जा सकता है कि रूस को अमेरिकी प्रतिबंधों से नुकसान कम फायदा ज्यादा हो रहा है। एक ओर जहां यूरोप बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है, वहीं रूस पहले से अधिक मजबूत दिख रहा है। आज अमेरिका और यूरोपीय देश भयंकर मंदी के खतरे और महंगाई से गुजर रहे हैं और इसमें रूस एक प्रमुख कारण बताया जा रहा है। अमेरिका में पिछली दो तिमाहियों में जीडीपी घटी है और यूरोपीय देशों की भी हालत कुछ ऐसी ही है। यूरोप में ऊर्जा संकट और धीमी ग्रोथ के कारण अब मंदी का चित्र साफ उभर रहा है। फिलहाल अमेरिका की हालत यूरोप जैसी नहीं है लेकिन पिछली दो तिमाहियों में जीडीपी के संकुचन, तेजी से बढ़ रही महंगाई (जो अगस्त 2022 में 8.3 प्रतिशत रही है) और खासतौर पर ऊर्जा की बढ़ती कीमतों तथा फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर बढ़ाने के चलते अमेरिका भी मंदी की चपेट में आ सकता है। यूरोप अपनी तेल की जरूरतों के लिए 25 प्रतिशत तक रूस पर निर्भर करता है। पिछले साल यूरोप के लिए 40 प्रतिशत गैस की आपूर्ति रूस से हुई थी। अब जब आपूर्ति बाधित हो रही है, तो यूरोप भयंकर ऊर्जा संकट में जाने वाला है। यूरोपीय देशों ने अपने कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों को फिर से चलाने का निर्णय लिया है, लेकिन यह इतना आसान नहीं होगा। ऐसे में यह भी चिंता व्यक्त की जा रही है कि पहली बार यूरोप को इन सर्दियों में ऊर्जा की कमी के चलते तापीकरण में कठिनाई हो सकती है। हालांकि अमेरिका और यूरोपीय देश ही नहीं, उनके अन्य सहयोगियों को भी प्रतिबंधों और युद्ध के अन्य परिणामों से जूझना पड़ रहा है, पर निकट भविष्य में यूरोप पर ही संकट का ज्यादा असर होगा। यूरोपीय देशों की मुद्राओं में भारी अवमूल्यन हो रहा है तथा महंगाई के साथ अर्थव्यवस्थाओं में असंतुलन भी बढ़ रहे हैं। यह पहली बार हुआ है कि अमेरिकी ब्लॉक के देशों को प्रतिबंधों का इतना नुकसान हो रहा है। अभी आवश्यक है कि ये देश अपने नागरिकों को समस्याओं से बचाएं। दुनिया में शांति की जरूरत है, लेकिन उसके लिए 'नाटो' को दूसरे मुल्कों की शांति भंग करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। रूस द्वारा यूक्रेन पर युद्ध थोपना गलत है, लेकिन 'नाटो' देशों द्वारा यूक्रेन में प्रवेश की कोशिश उसके मूल में है। यदि यूक्रेन और 'नाटो' देश अपनी हठधर्मिता छोड़ दें तो शांति भी स्थापित हो सकती है और आर्थिक संकट भी दूर हो सकते हैं। संबद्ध पक्षों को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

सेहत के लिए फायदेमंद हैं ये

कुकिंग ऑयल

खास आहार के बारे में बात करते हुए अक्सर हम सभी फलों-सब्जियों की तो चर्चा कर लेते हैं, पर कुकिंग ऑयल को नजरअंदाज कर दिया जाता है। शोध बताते हैं कि रिफाइंड ऑयल्स के बढ़ते सेवन के कारण कई तरह की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ता जा रहा है। कोलेस्ट्रॉल से लेकर हाई ब्लड-प्रेशर और मोटापा बढ़ाने तक में इन तेलों की भूमिका पाई गई है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सभी लोगों को खाने के तेलों में बदलाव करने की सलाह दी है। डॉक्टर्स कहते हैं बढ़ते हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में भी तेलों के सही चयन पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स गुड कोलेस्ट्रॉल के स्तर में योगदान करते हैं जिससे हृदय रोगों के जोखिम को कम किया जा सकता है। कुछ प्रकार के तेलों को मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स का अच्छा स्त्रोत पाया गया है, इसे आहार में शामिल करना बेहतर विकल्प हो सकता है। वहीं रिफाइंड ऑयल्स बैड कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड्स और इंसुलिन के स्तर को बढ़ा देते हैं। इस तेलों में पाया जाने वाला ट्रांस फैट कैंसर, मधुमेह, मोटापा और प्रजनन समस्याओं को भी ट्रिगर कर सकता है। आइए जानते हैं कि सेहतमंद रहने के लिए किन तेलों का सेवन करना बेहतर विकल्प हो सकता है?

ऑलिव ऑयल

खाना बनाने के लिए ऑलिव ऑयल को प्रयोग में लाने को स्वास्थ्य विशेषज्ञ बेहतर विकल्प मानते हैं। अध्ययनों में इसे सेहत के लिए कई प्रकार से लाभकारी पाया गया है। ये एंटीऑक्सिडेंट्स और उन तत्वों का बेहतर स्रोत माने जाते हैं जो कई प्रकार के क्रोनिक रोगों के जोखिम को कम कर सकते हैं। ऑलिव ऑयल को शरीर से सूजन को कम करने, ब्लड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करते हुए हृदय रोगों से सुरक्षित रखने वाला माना जाता है।

सरसों का तेल

सरसों के तेल का प्रयोग लंबे समय से भोजन के लिए किया जाता रहा है, इसे संपूर्ण सेहत के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सरसों के तेल के खाना पकाने और चिकित्सकीय, दोनों उपयोग हैं। इसमें ओमेगा-3 और ओमेगा-6 फैटी एसिड होते हैं और इसमें सेचुरेटेड फैट की मात्रा कम होती है। सरसों का तेल न केवल भोजन के स्वाद को बढ़ाता है बल्कि यह त्वचा से संबंधित कई बीमारियों को भी ठीक करने में भी काफी लाभकारी है।

सूरजमुखी का तेल

सूरजमुखी के तेल को हृदय रोगियों के लिए काफी लाभकारी माना जाता है। इसमें मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स के साथ के साथ बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने वाले तत्व भी पाए जाते हैं जिससे हृदय रोगों के जोखिम को कम किया जा सकता है। अध्ययनों में पाया गया है कि सूरजमुखी के तेल का सेवन करने वाले लोगों में इंफ्लामेशन का जोखिम भी कम होता है जिससे हृदय से संबंधित समस्याएं दूर रहती हैं।

कैनोला ऑयल

किसी भी हृदय रोग या कोलेस्ट्रॉल से पीड़ित व्यक्ति के लिए कैनोला का तेल सबसे सुरक्षित विकल्प है। यह रैपसीड से प्राप्त होता है, जिसमें अन्य तेलों के मुकाबले 'गुड फैट' की मात्रा अधिक होती हैं। कैनोला तेल में कोई कोलेस्ट्रॉल नहीं होता हैं बल्कि यह वास्तव में ई और के जैसे विटामिन से भरपूर होता हैं। अधिकांश कैनॉल तेल रिफाइन्ड होते हैं जिससे पोषक तत्व कम हो जाते हैं। इसीलिए 'कोल्ड-प्रेस्ड' कैनोला तेल का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा है।

इन तेलों से करें परहेज

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं बढ़ती बीमारियों के जोखिम को कम करने के लिए हमेशा स्वस्थ आहार का ही सेवन करें। इसमें सही तेलों का चयन भी काफी महत्वपूर्ण है। हमेशा शुद्ध तेलों का सेवन करें। रिफाइंड ऑयल्स में कई ऐसे तत्व पाए गए हैं जो शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। हृदय रोग, मधुमेह के रोगियों के लिए सूरजमुखी या फिर ऑलिव ऑयल के सेवन को बेहतर माना जाता है।

हंसना मना है

गोलू (पिंकू से) : पता है वो लड़की मेरी बहुत इज्जत करती है। पिंकू: अच्छा, तुझे यह सब कैसे पता?
गोलू : कल ही मुझसे बोली कि मैं तुम्हारी तरफ थूकूंगी भी नहीं।

आदमी मच्छर से: दिन में क्यों काट रहे हो। मच्छर: ओवरटाइम कर रहा हूं, साहब। मां-बाप बीमार हैं। घर में जवान बहन है और लड़के वालों ने दहेज में एक लीटर खून मांगा है।

पप्पू ने लड़की को प्रपोज किया: मुझसे प्यार करोगी। लड़की: चेहरा देखा है अपना, तुझसे प्यार करने से तो बेहतर है मैं सुसाइड कर लूं। पप्पू: कमबख्त मर जाएगी पर किसी गरीब के काम नहीं आएगी।

मुन्ना: जेलर साहब मुझे फिर से बापू दिखाई दे रहे हैं। जेलर : कहां हैं बापू? मुन्ना: वो उधर सफेद धोती में। जेलर: जा चुपचाप सो जा, वो आसाराम है।

लड़का : लड़कियां बस की तरह होती हैं, एक जाती है तो दूसरी आती है! लड़की : लड़के रिक्शे की तरह होते हैं, एक को आवाज दो तो सब दौड़े चले आते हैं!

कहानी — कौवा हुआ काला

एक बार की बात है। एक ऋषि ने एक कौवे को अमृत की तलाश में भेजा लेकिन उसको ये चेतावनी भी दी कि केवल अमृत के बारे में पता करना है उसे पीना नहीं है अन्यथा तुम इसका कुफल भोगोगे। सफेद कौवे ने हामी भर दी और उसके बाद ऋषि से विदा ली। एक साल के कठोर परिश्रम के बाद कौवे को आखिर अमृत के बारे में पता चल गया। वह इसे पीने की लालसा रोक नहीं पाया और इसे पी लिया जबकि ऋषि ने उसे कठोरता से उसे नहीं पीने के लिए पाबंद किया था। सो उसने ऐसा कर ऋषि को दिया गया अपना वचन तोड़ दिया। अमृत पीने के बाद उसे पछतावा हुआ और उसने वापस आकर ऋषि को पूरी बात बताई तो ऋषि ये सुनते ही आवेश में आ गये और कौवे को शाप दे दिया और कहा क्योंकि तुमने अपनी अपवित्र चोंच से अमृत की पवित्रता को नष्ट किया है इसलिए आज के बाद पूरी मानवजाति तुमसे घृणा करेगी और सारे पंछियों में केवल तुम होंगे जो सबसे नफरत भरी नजरो से देखे जाओगे। किसी अशुभ पक्षी की तरह पूरी मानवजाति हमेशा तुम्हारी निंदा करेगी और चूंकि अमृत का पान किया है इसलिए तुम्हारी स्वाभाविक मृत्यु नहीं होगी। कोई बीमारी भी नहीं होगी और तुम्हे वृद्धावस्था भी नहीं आएगी। भाद्रपद के महीने के सोलह दिन तुम्हें पितरों का प्रतीक मानकर आदर दिया जायेगा। तुम्हारी मृत्यु आकस्मिक रूप से ही होगी इतना कहकर ऋषि ने अपने कमंडल के काले पानी में उसे डुबो दिया। काले रंग का बनकर कौवा उड़ गया तभी से कौवे काले रंग के हो गये।

8 अंतर खोजें

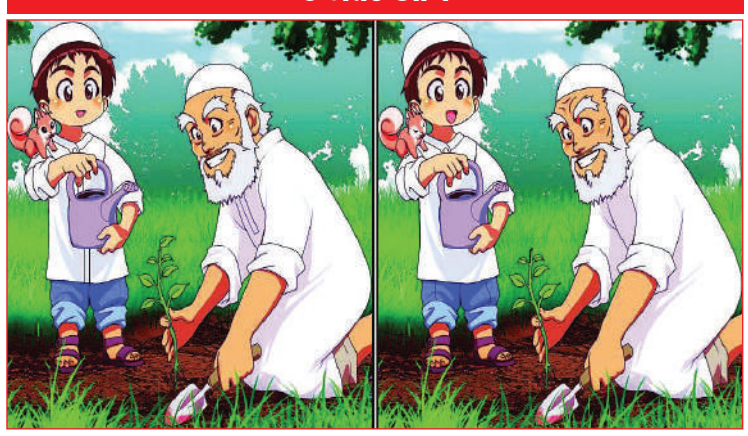

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आप अपने आत्मविश्वास को फिर से हासिल करेंगे और पूरे समर्पण के साथ काम में जुटेंगे जो सकारात्मक विकास को जन्म देगा। आप एक से अधिक प्रोजेक्ट में शामिल होंगे और समय की कमी भी महसूस कर सकते हैं।

वृषभ — आज का दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। माता-पिता के साथ आपके संबंध बेहतर होंगे। कोर्ट-कचहरी के किसी मामले में फैसला आपके पक्ष में रहेगा।

मिथुन — आज आप कुछ अकेलापन महसूस कर सकते हैं जिसके कारण आप उदास भी रहेंगे। कुछ मामूली झटकों के बावजूद आप अच्छी प्रगति करेंगे। आपको व्यवसाय में उत्कृष्ट परिणाम मिलेंगे।

कर्क — आज का दिन उत्कृष्ट परिणामदायक है। परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से नौकरी की तलाश करने वाले या अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के इच्छुक लोगों को अधिक प्रयास करने चाहिए।

सिंह — आज परिवार वालों के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताने का मौका मिलेगा। बुक सैलर के लिए आज का दिन लाभ दिलाने वाला हो सकता है। राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की समाज में और अच्छी छवि बन सकती है।

कन्या — आज आप अपने जीवन में व्यापार और नौकरी के क्षेत्र में बड़ी सफलताएं अर्जित करते हुए समाज में अपनी अलग पहचान बनायेंगे। बदलाव या नौकरी की तलाश करने वालों को निराशा मिलेगी।

तुला — व्यावसायिक उद्यम लाभ ला सकते हैं। व्यापार में आपको बड़ी सफलता मिलेगी। नवीन सौदे लाभदायक रहेंगे और मददगार लोग आपको किसी भी मुश्किल पैच को दूर करने में मदद करेंगे।

वृश्चिक — आज ऑफिस में बड़े अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आमदनी में इजाफा होने के आसार नजर आ रहे हैं। पूरे दिन खुद को तरोताज़ा महसूस करेंगे।

धनु — आज आपके संपर्कों का दायरा बढ़ेगा। आप एक दूसरे की भावनाओं को अच्छे से समझ पाएंगे। व्यवसायियों को अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है।

मकर — आज आपके लिए अपने जोखिम लेने की क्षमताओं पर अंकुश लगाना बेहतर होगा, किंतु आपने पहले से जो भी जोखिम उठाए हैं, उन्हें उपयुक्त रूप से पुरस्कृत किया जाएगा।

कुम्भ — आज कार्यक्षेत्र में आपको पुरानी पहचान का फायदा मिलेगा। रुके हुए सारे काम आसानी से पूरे हो जायेंगे। अगर आप अपने बड़े भाई-बहनों के सहयोग से किसी भी काम को शुरू करेंगे, तो उसमें आपको तरक्की जरूर मिलेगी।

मीन — आज आपके मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक क्षेत्र में प्रयास आपको लाभ देंगे। पुराना कर्ज चुकाना आपके लिए श्रेयकर रहेगा। आपको मानसिक चिंता, तनाव की शिकायत हो सकती है।

हर हर महादेव ने रचा इतिहास

निर्देशक अभिजीत देशपांडे की हर हर महादेव तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में रिलीज होने वाली पहली मराठी फिल्म होगी। यह फिल्म एक वास्तविक लड़ाई की प्रेरक कहानी के बारे में है जिसमें छत्रपति शिवाजी महाराज के सेनापति बाजी प्रभु देशपांडे के नेतृत्व में केवल 300 सैनिकों ने 12,000 दुश्मन सैनिकों से लड़ाई लड़ी और जीत हासिल की, भले ही उन्होंने अपनी जीत के लिए जान दे दी। बाजी प्रभु देशपांडे उन कई योद्धाओं में से थे जो छत्रपति शिवाजी महाराज के स्वराज्य के सपने को साकार करने के लिए शामिल हुए थे। दर्शकों को जी स्टूडियोज की आने वाली फिल्म हर हर महादेव में घोडखिंड में बाजी प्रभु की वीर गाथा देखने को मिलेगी। अभिजीत देशपांडे द्वारा लिखित और निर्देशित, फिल्म में सुबोध भावे छत्रपति शिवाजी महाराज और शरद केलकर बाजी प्रभु देशपांडे के रूप में हैं। जी स्टूडियोज द्वारा निर्मित यह फिल्म इस दिवाली 25 अक्टूबर को मराठी के साथ पांच भारतीय भाषाओं – हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में रिलीज होने वाली है। छत्रपति शिवाजी महाराज का साम्राज्य दक्षिण भारत तक फैला हुआ था।

महाराज की वीरता और पराक्रम की गाथाओं को देश के दक्षिणी भाग में गहराई से याद किया जाता है और मनाया जाता है। यही मुख्य कारण है कि दर्शकों के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज की महिमा को बड़े पर्दे पर मनाने के लिए फिल्म हर हर महादेव को तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषाओं में भी रिलीज किया जा रहा है। यूनिट ने फिल्म का एक टीजर भी जारी किया है जो उस शक्तिशाली कहानी की झलक देता है जिसे फिल्म दर्शकों के सामने लाने वाली है।

बॉलीवुड | मसाला

परिणीति चोपड़ा ने देश के सैनिकों को समर्पित की अपनी अपकमिंग फिल्म कोड नेम तिरंगा

अपनी अपकमिंग फिल्म कोड नेम तिरंगा को लेकर बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा बेहद एक्साइटेड हैं। इसी बीच अपनी पहली एक्शन फिल्म को लेकर एक्ट्रेस ने हाल ही में साझा किया है कि यह फिल्म भारत के गुमनाम नायकों को समर्पित है। फिल्म में उनके साथ पंजाबी स्टार हार्डी संधू भी हैं। एक्ट्रेस फिल्म में एक जासूस की भूमिका निभाती नजर आएंगी, जो भारत को बचाने के लिए एक बेहद जोखिम भरे मिशन पर निकल जाती है। इश्कजादे एक्ट्रेस ने कहा, कोड नाम तिरंगा हमारे बहादुर सैनिकों, हमारे साहसी एजेंटों और देश की रक्षा के लिए अपना सब कुछ बलिदान करने वाले हर एक व्यक्ति की तरह भारत के सभी गुमनाम रक्षकों को समर्पित है। मैं अपने पूरे जीवन में हमेशा से ऐसे लोगों से काफी प्रभावित रही हूं। उन्होंने आगे कहा तो मेरे लिए, एक ऐसी फिल्म करना जिसमें मैं अपने देश के इन योद्धाओं को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं, यह बहुत गर्व और सम्मान की बात है।उनके जीवन ने हमें बेहतर इंसान बनने के लिए प्रेरित किया है और हम सभी ऋणी हैं उनके साहस और वीरता के लिए जिन्होंने हमारे देश को अनगिनत बार संकटों से बचाया है।

फिल्म का निर्देशन रिभु दासगुप्ता ने किया है, जिन्होंने इससे पहले परिणीति की स्ट्रीमिंग फिल्म द गर्ल ऑन द ट्रेन का निर्देशन किया था। कोड नेम तिरंगा 14 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। परिणीति चोपड़ा ओटीटी पर भी अपने काम करने को लेकर उत्सुक है।

बॉलीवुड | मन की बात

एक्टिंग के बाद शेफ बनने की तैयारी में किंग खान?

अभिनेता शाहरुख खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं। इनमें जवान की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है। बता दें कि शाहरुख खान करीब चार साल के ब्रेक के बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। बेशक इस साल वह कैमियो रोल में नजर आए हैं, लेकिन फैंस उन्हें बतौर लीड एक्टर देखने को बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। शाहरुख भी जवान की तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। साथ ही उन्होंने आगे की प्लानिंग भी कर रखी है। शाहरुख खान जवान की शूटिंग पूरी करने के बाद एक स्पेशल चिकन रेसिपी सीखने वाले हैं। हाल ही में खुद किंग खान ने यह खुलासा किया है। आपको बता दें कि फिल्म जवान में शाहरुख खान के अलावा साउथ एक्ट्रेस नयनतारा और विजय सेतुपति भी अहम किरदार में नजर आएंगे। हाल ही में शाहरुख ने चेन्नई में फिल्म का शेड्यूल पूरा कर लिया है इसे लेकर फैंस को जानकारी भी दी। शाहरुख खान ने बाकायदा ट्वीट साझा कर फिल्म से जुड़े सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया। साथ ही उन्होंने यह खुलासा भी किया कि वह चिकन 65 की रेसिपी सीखना चाहते है। आपको बता दें कि चिकन 65 चेन्नई की एक स्पेशल चिकन डिश है। शाहरुख ने एक महीने की शूटिंग का शेड्यूल पूरा किया है। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा है, 30 दिन का धमाका आरसीई टीम! हमारे सेट्स पर थलाइवर का आशीर्वाद रहा...। नयनतारा के साथ फिल्म देखी। अनिरुद्ध रविचंदर के साथ पार्टी की और विजय सेतुपति के साथ गहन चर्चा हुई। अभिनेता विजय ने मुझे लजीज खाना खिलाया। इस शानदार आतिथ्य के लिए एटली और और प्रिया का शुक्रिया। अब मुझे चिकन 65 रेसिपी सीखने की जरूरत है।

महज 18 साल की उम्र में ये करोड़पति जिमनास्ट बनी दुनिया की सबसे प्रभावशाली महिला एथलीट

खेल और ग्लैमर का तड़का किसी को भी रातों रात सुपरस्टार बना देता है। अमेरिका के ओलिवा डूने नाम की इस एथलिट की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। महज 18 साल की उम्र में वो करोड़पति बन गई, और अब वो दुनिया की सबसे प्रभावशाली महिला एथलीट की लिस्ट में भी टॉप पर पहुंच गई है। ये दूसरा मौका है जब वो इस मुकाम पर पहुंची है। पिछले हफ्ते उन्होंने अपना 20 वां बर्थडे मनाया। डूने को ऑन3 स्पोर्ट्स की लिस्ट में नंबर 1 एथलिट के तौर पर नामित किया गया। लुइसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी की इस छात्रा की वैल्यूएशन 2.2 मिलियन डॉलर यानी 18 करोड़ 37 लाख रुपये आंकी गई है। हाल के दिनों इसमें खासा इज़ाफा हुआ है। इस्टाग्राम पर उनके 2.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं। ये किसी भी महिला राष्ट्रीय कॉलेजिएट एथलेटिक एसोसिएशन (एनसीएए) एथलीट से सबसे अधिक है। लेकिन यह संख्या उसके बढ़ते 6.6 मिलियन टिकटॉक फॉलोअर्स की तुलना में कम है।आकर्षक स्पॉनसर्स की बदौलत महज 18 साल की उम्र में वो करोड़पति बन गई। उनके पास कई सारे बड़े प्रायोजक हैं। एनसीएए ने जून 2021 में अपने इमेज राइट अधिकारों से पैसा बनाने वाले छात्रों पर अपने नियमों में ढील दी थी।उन्होंने अपने फैशेनबल होने पर कहा, कॉलेज से पहले, मेरे कोच और मैं अपनी सभी प्रमुख प्रतियोगिताओं के लिए अपने खुद के डिजाइन करते हुए कपड़े पहने थे। मुझे अपनी शैली के माध्यम से खुद को व्यक्त करना अच्छा लगता है।डूने ने आगे कहा, सोशल मीडिया कुछ ऐसा है जिसे मैंने हमेशा प्यार किया है, और जो मुझे लगता है आप जो भी प्यार करते हैं वह कर सकते हैं और इससे पैसे कमा सकते हैं। उन्होंने अमेरिकन ईगल, फॉरएवर 21 और वूरी के साथ डील की है। वह सबसे अधिक फॉलो की जाने वाली महिला N C एथलीट हैं और उनके 30,000 से अधिक ट्विटर फॉलोअर्स भी हैं।

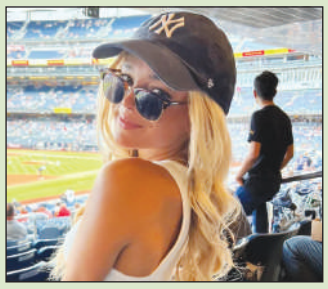

अजब-गजब | कोई नहीं जान पाया इसका रहस्य

ये है दुनिया की सबसे रहस्यमयी नदी जिसमें हमेशा बहता है खौलता पानी

दुनियाभर में अनगिनत रहस्यमयी चीजें मौजूद हैं जिनके बारे में इंसान आज तक नहीं जान पाया। आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक नदी से जुड़ा हुआ है। दरअसल, बात कर रहे हैं शनय टिमपिशका नदी के बारे में। जो किसी भी रहस्य से कम नहीं है। यही नहीं इस नदी के बारे में अभी भी बहुत ही कम लोग जानते हैं। वैसे तो आप किसी भी नदी के किनारे आराम से बैठ सकते लेकिन शनय टिमपिशका नदी के किनारे बैठके लिए आपको बहुत साहस की जरूरत पड़ेगी क्योंकि इस नदी में हमेशा खौलता हुआ पानी बहता है। अगर इसमें गलती से भी कोई घुसा तो उसकी मौत निश्चित है। बता दें कि शनय टिमपिशका नदी दक्षिण अमेरिका के पेरू देश में बहती है। ये नदी पेरू के जंगलों की एक ऐसी रहस्यमयी नदी है, जिसका पानी हमेशा खौलता रहता है जो किसी की भी जान ले सकता है। इस नदी के पानी का तापमान हमेशा करीब 50 से 90 डिग्री सेल्सियस तक रहता है। इससे भी ज्यादा हैरानी की बात तो ये है कि नदी का पानी हर जगह पर इतना गर्म नहीं होता, बल्कि कुछ जगह पर ये 100 डिग्री सेल्सियस को भी पार कर जाता है। ये पानी इतना गर्म होता है इससे आप आसानी से खाना बना सकते हैं।

बता दें कि ये रहस्यमयी नदी करीब 25 मीटर चौ?ी और लगभग 6 मीटर तक गहरी है। नदी का पानी बेहद गर्म होने की वजह से इसके आस-पास उठने वाली गर्म भाप के कारण इस नदी में कई छोटे जानवरों की गिरने की वजह से मौत भी हो जाती है। इस नदी का खौलता पानी इतना गर्म है कि अगर कोई इंसान इसमें एक सेकेंड से कम समय के लिए अपना हाथ डाले तो उसे गहरे से गहरा घाव हो सकता है। इस नदी के बारे में साल 1930 से पहले किसी को पता नहीं था। क्योंकि नदी में इस तरह के गर्म पानी की कल्पना सिर्फ ज्वालामुखी के आसपास वाले इलाके में ही की जा सकती है। नदी से करीब 400 मील की दूरी पर 'अमेजन बेसिन' नामक एक सक्रीय ज्वालामुखी को भी इस नदी के गर्म पानी का कारण नहीं समझा जा सकता है। क्योंकि ये काफी दूर होने की वजह से इस नदी के पानी को गर्म नहीं कर सकता।

वहीं वैज्ञानिकों का कहना है कि इस नदी के नीचे बहुत गहराई में कभी किसी समय में कोई तेज भूकंप आया होगा, जिससे नदी के नीचे कोई ब?ी दरार बन गयी होगी। उसी दरार के जरिये जमीन के अंदर का गर्म लावा लगातार नदी के संपर्क में आता रहता है, जिसकी वजह से नदी का पानी हमेशा उबलता रहता है। वहीं यहां के स्थानीय लोगों का कहना है कि नदी को 'शनय टिमपिशका' के नाम से बुलाने के पीछे भी खास मकसद है। क्योंकि शनय टिमपिशका का मतलब 'सूरज की गर्मी से उबलने वाली नदी' होता है। इस नदी की साल 2011 में सरकारी तौर पर पुष्टि की गयी थी।

प्रदेश में बारिश-बाढ़ का कहर, 34 की मौत, कई जिलों में स्कूल बंद

» कई स्थानों पर मकान ढहे, गिरी बिजली, कुछ लोग बाढ़ में बहे

» धान, गन्ना और दलहनी फसलें प्रभावित, येलो अलर्ट जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में बारिश और बाढ़ का कहर जारी है। इसके कारण विभिन्न घटनाओं में 34 लोगों की मौत हो गई है। राजधानी लखनऊ सहित राज्य के कई जिलों में स्कूल बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। लखनऊ में लगातार हो रही बारिश से शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया है।

बारिश आज भी जारी है। मौसम विभाग ने लखनऊ, मेरठ, अलीगढ़, हाथरस, मथुरा, कांशीरामनगर समेत 40 से अधिक जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। यहां पर भारी बारिश के संकेत हैं। ललितपुर, वाराणसी, प्रयागराज, सोनभद्र आदि इलाकों को चेतावनी से दूर रखते हुए बारिश के आसार जताए गए हैं। मेरठ और अलीगढ़ में तेज बारिश हुई। यहां पर 48 मिमी से ज्यादा बरसात रिकॉर्ड की गई है। लखनऊ, गाजियाबाद, रामपुर, नोएडा में डीएम ने आज सभी स्कूल बंद रखने के निर्देश जारी किए हैं। आगरा में नर्सरी से कक्षा 12 तक के सभी बोर्ड के विद्यालयों को दो दिन तक बंद कर दिया गया है। हालांकि 10 और 11 अक्टूबर को अवकाश की अवधि में शिक्षकों की ओर से प्रशिक्षण सहित अन्य विभागीय कार्य किए जाएंगे।

लखनऊ में लगातार हो रही बारिश, शहर के कई इलाकों में जलभराव

अलीगढ़ में भी कक्षा एक से कक्षा 12 तक के समस्त बोर्ड के विद्यालयों में 10 से 11 अक्टूबर तक अवकाश घोषित किया गया है। मेरठ और बागपत में स्कूल बंद हैं। वहीं लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच रविवार को प्रदेश में 34 लोगों की मौत हो गई। इनमें बिजली गिरने, मकान ढहने और नदियों में बहने से हुई मौतें शामिल हैं। धान और गन्ने समेत दलहनी फसलें भी प्रभावित हुई हैं। कई जगहों पर पशुओं की भी मौत हो गई है। सीएम योगी ने इन घटनाओं पर दुख व्यक्त करते हुए हादसे के शिकार हुए लोगों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये मदद की घोषणा की है।

अस्पताल अलर्ट पर

मौसम विभाग की ओर से भारी बारिश का अलर्ट जारी होने के बाद पूरे प्रदेश के अस्पतालों को अलर्ट मोड पर कर दिया गया है। चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने देर रात इसे लेकर ट्वीट भी किया। उन्होंने निर्देश दिया कि अलर्ट को देखते हुए चिकित्सा शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा से जुड़े सभी अधिकारी, मेडिकल कॉलेज, संस्थान, अस्पताल, सीएमओ, डॉक्टर्स एवं सभी संबंधित स्टॉफ आपातकालीन सेवा के लिए तैयार रहे।

श्याम रजक पर भड़के तेजप्रताप कहा, बता दूंगा हैसियत

» बिहार की जनता के सामने जारी करूंगा आडियो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। दिल्ली में राजद की बैठक में रविवार को तब माहौल गरमा गया जब पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक के बयानों से आहत मंत्री तेज प्रताप यादव बैठक से बाहर निकल गए। उन्होंने आरोप लगाया कि श्याम रजक ने उन्हें गाली दी है। तेजप्रताप के तल्ख बयान के बाद श्याम रजक बेहोश हो गए, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। तेज प्रताप के आरोपों पर श्याम रजक ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी सिर्फ इतना कहा कि लालू यादव उनके नेता है, उनकी पार्टी है, वह चाहेंगे तो रहेंगे, नहीं चाहेंगे तो छोड़ देंगे।

तेजस्वी यादव ने दिल्ली में राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की व्यवस्था का कार्य श्याम रजक को सौंप रखा है। श्याम रजक का लालू परिवार से पुराना संबंध है। वह लालू-राबड़ी की सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। हालांकि बाद में वह लालू को छोड़कर जदयू के साथ चले गए थे। रविवार को जब लालू एवं तेजस्वी की मौजूदगी में बैठक शुरू हुई तो तेजप्रताप बाहर निकल गए। उन्होंने श्याम रजक पर आरएसएस और भाजपा के लिए काम करने का आरोप लगाया और कहा कि एक-एक को हैसियत बता देंगे। श्याम रजक ने उन्हें गाली दी है।

दिल्ली के शराब घोटाले में अभिषेक बोइनपल्ली गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की केजरीवाल सरकार की आबकारी नीति में कथित घोटाले में तीसरी गिरफ्तारी हुई है। सीबीआई ने अभिषेक बोइनपल्ली को गिरफ्तार किया है। आरोपी अभिषेक रॉबिन डिस्ट्रीब्यूशन फर्म से जुड़ा हुआ है और उस पर शराब घोटाले के लिए फर्म के इस्तेमाल का आरोप है। इससे पहले आम आदमी पार्टी से जुड़े कारोबारी विजय नायर और शराब कारोबारी समीर महेंद्रू को अरेस्ट किया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि अभिषेक बोइनपल्ली दक्षिणी भारत के कुछ शराब कारोबारियों के लिए काम करता था। उसे रविवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने पाया कि वह कुछ महत्वपूर्ण सवालों का जवाब देने से बच रहा है, जिसके बाद उसे देर रात हिरासत में ले लिया गया।

वसुंधरा का गहलोत पर हमला, बोलीं दो साल से चल रहा कुर्सी का खेल

» चार वर्ष में विकास के मामले में पिछड़ गया राजस्थान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने राजस्थान के सियासी घमासान पर पहली बार चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि राजस्थान में दो साल से कुर्सी का खेल चल रहा है। एक कुर्सी पर बैठन चाह रहा है जबकि दूसरा कुर्सी से उतरना नहीं चाह रहा है। वसुंधरा राजे देव दर्शन यात्रा के लिए आज बीकानेर दौरे पर आई हैं।

वसुंधरा ने कहा कि पिछले चार सालों में राजस्थान विकास के मामले में पिछड़ गया है। सरकार दो साल तक पूरी तरह से कोरोना महामारी से बाहर नहीं निकली और अब दो साल से कुर्सी का खेल चल रहा है। राजे ने अपने समय में हुए विकास कार्यो को गिनाते हुए कहा कि बीकानेर के विकास में हमेशा मैंने रुचि रखी है। फिर यहां की सड़कों को चौड़ा करने का काम हो या सूरसागर की सौंदर्यकरण। अभी मैंने सूरसागर की हालात को देखा है। वह पूरी तरह सूख गया है। जनसंवाद सभा को संबोधित करने के बाद राजे सूरसागर का निरीक्षण करने भी पहुंची। इस दौरान बीकानेर में तीन-तीन मंत्री होने के बावजूद सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे होने को लेकर राजे ने कहा कि यहां विकास रुक गया है और हमें फिर से राजस्थान में और बीकानेर में भी विकास करवाना है ताकि यहां पर्यटक ज्यादा से ज्यादा आएं।

शिमला पहुंचीं सोनिया गांधी, प्रियंका के साथ बनाएंगी रणनीति

» हिमाचल प्रदेश में विधान सभा चुनाव का बज चुका है बिगुल

» कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष की भी हो सकती है रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश में विधान सभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। इसी बीच प्रियंका गांधी के बाद अब कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी भी अपनी बेटी के घर छराबड़ा पहुंच गई हैं। माना जा रहा है कि वे यहां प्रियंका के साथ मिलकर विधान सभा चुनाव को लेकर रणनीति बनाएंगी।

सोनिया गांधी आज सुबह चंडीगढ़ से सड़क मार्ग होते हुए शिमला पहुंची हैं।

प्रियंका गांधी चार अक्टूबर से शिमला में अपने घर पर छुट्टियां मना रही हैं। पहले 10 अक्टूबर को सोलन में प्रियंका गांधी की रैली रखी गई थी लेकिन खराब मौसम के चलते इसको बदलकर अब 14 अक्टूबर को रखा गया है। इसी बीच सोनिया भी शिमला में बेटी के साथ रहने आई हैं। हिमाचल प्रदेश में विधान सभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि प्रियंका गांधी की रैली के बाद हिमाचल प्रदेश में सोनिया गांधी की रैली भी हो सकती है।

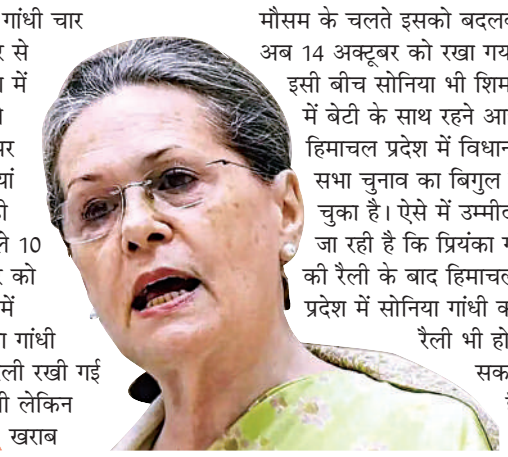

हर दौर में कायम रहा नेताजी का जलवा

सियासत में चरखा दांव रहा मशहूर, विरोधियों के प्रति भी बने रहे 'मुलायम'

» 2019 के लोक सभा चुनाव में मोदी को फिर पीएम बनने का दिया था आशीर्वाद

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के साथ ही उत्तर प्रदेश और देश की राजनीति में एक युग का अवसान हो गया है। राम मनोहर लोहिया, जय प्रकाश नारायण से लेकर चौधरी चरण सिंह तक के साथ काम करने वाले मुलायम सिंह यादव ने यूपी की सियासी जमीन को समाजवाद के लिए उर्वर बनाया था। जवानी के दिनों में अखाड़े में पहलवानी करने वाले मुलायम सिंह यादव सियासत में भी अपने चरखा दांव के लिए मशहूर थे। तीन बार यूपी के सीएम रहे मुलायम सिंह यादव के सियासी जीवन में उतार-चढ़ाव जरूर आए लेकिन वह अपने समर्थकों के लिए हमेशा नेताजी बने रहे।

मुलायम सिंह यादव अपने विरोधियों के प्रति भी हमेशा मुलायम बने रहे। यही वजह है कि उनकी प्रतिद्वंद्वी भाजपा हो या बसपा, सभी से मुलायम सिंह यादव के अच्छे रिश्ते बने रहे। खासतौर पर पीएम नरेंद्र मोदी से उनकी अच्छी बनती थी। 2019 में लोक सभा चुनाव से पहले संसद के आखिरी सत्र में उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी को आशीर्वाद दिया था कि वह एक बार फिर से पीएम बनेंगे। वे करीब 5 दशकों तक यूपी के शीर्ष नेताओं में एक बने रहे।

नेताजी का सियासी सफर

मुलायम सिंह हमेशा से क्रांतिकारी स्वभाव के रहे। महज 14 साल की उम्र में उन्होंने केंद्र में कांग्रेस सरकार के खिलाफ निकाली गई रैली में हिस्सा लिया था। राम मनोहर लोहिया के आह्वान पर मुलायम नहर रेट आंदोलन में भी शामिल हुए थे। इस आंदोलन का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्हें जेल भी जाना पड़ा था। इसके बाद 1954 में उन्होंने राजनीति में अपने सफर की शुरुआत की थी। 1989 में जनता दल से चुनाव जीतकर मुख्यमंत्री बने। उस समय वीपी सिंह प्रधानमंत्री बने थे। 1991 में मुख्यमंत्री पद से हटे और इसके बाद चंद्रशेखर की पार्टी समाजवादी पार्टी (जनता) में शामिल हो गए लेकिन उनको ये पार्टी रास नहीं आई और 4 अक्टूबर 1992 में बेगम हजरत महल पार्क लखनऊ में समाजवादी पार्टी की स्थापना का ऐलान कर दिया। 1996 में पहली बार मैनपुरी से लोक सभा का चुनाव लड़े और दिल्ली की राजनीति में अपनी छाप छोड़ने लगे और देवगौड़ा की सरकार में रक्षा मंत्री बने। तब से लेकर लगातार मैनपुरी से लोक सभा चुनाव जीतते आ रहे हैं। वह 2014 में आजमगढ़, 1999 में संभल से लोक सभा चुनाव जीते। यही नहीं वह जसवंतनगर, शिकोहबाद, गुन्नौर, शाहजहांपुर की तिलहर और मरथना से विधायक भी रहे। जब मुलायम ने सर्वहारा के हितों के लिए आवाज उठाई तो लोगों द्वारा उन्हें धरतीपुत्र की उपाधि दी गई। नेता जी पहली बार 1989 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। 1990 में केंद्र में वीपी सिंह सरकार के गिरने के बाद मुलायम सिंह यादव चंद्रशेखर की जनता दल (सोशलिस्ट) से जुड़ गए और कांग्रेस के समर्थन से सीएम पद पर बने रहे। अप्रैल 1991 में जब कांग्रेस ने इस सरकार से समर्थन वापस ले लिया तो मुलायम सिंह यादव की सरकार गिर गई। 1993 में मुलायम सिंह यादव दूसरी बार यूपी के सीएम बने। 1992 में मुलायम सिंह ने समाजवादी पार्टी की स्थापना की थी। नवंबर 1993 में राज्य में चुनाव होने थे. इससे पहले मुलायम ने बहुजन समाज पार्टी से गठबंधन किया। चुनाव नतीजों के बाद मुलायम बीजेपी को सत्ता में आने से रोकने में कामयाब रहे और स्वयं सीएम बने। 1995 में मायावती की समर्थन वापसी के बाद ये सरकार भी गिर गई। मुलायम सितंबर 2003 फिर से यूपी के सीएम बने। मायावती और भाजपा ने गठबंधन कर लिया था। मायावती सीएम बनीं लेकिन 25 अगस्त 2003 को बीजेपी ने इस सरकार से समर्थन वापस ले लिया। इसके बाद बीएसपी के बागियों, निर्दलीय और छोटे दलों की मदद से मुलायम ने अपनी सरकार बनाई।

मेरे गुरु धरती पुत्र नेताजी मेरे लिए पिताजी आज गोलोक वासी हो गए । सत्य है की धरती पर शरीर रूपी जीव नश्वर है। इस सत्य की वेदना सहन करने की मुझे और नेताजी से प्रेम करने वाले सभी लोगो को ईश्वर शक्ति दे।
-अपर्णा यादव, पुत्रवधू

"यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री व सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव का निधन अत्यंत दुखदाई है। उनके निधन से समाजवाद के प्रमुख स्तंभ एवं संघर्षशील युग का अंत हुआ है। ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की कामना एवं शोकाकुल परिजनों एवं समर्थकों के प्रति मेरी संवेदनाएं है।
सीएम योगी आदित्यनाथ

"देश के पूर्व रक्षा मंत्री और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री के रूप में मुलायम सिंह का योगदान हमेशा अविस्मरणीय रहेगा।
सोनिया गांधी, कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष

"मुलायम सिंह यादव जी का निधन बेहद दुःखद है। वे जमीनी राजनीति से जुड़े एक सच्चे योद्धा थे। मैं अखिलेश यादव समेत सभी शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।
-राहुल गांधी, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष

"वह बड़े नेता थे जिसे देश को जरूरत थी। वह जमीन और लोगों से जुड़े नेता थे। वह संसद में ऐसी बातें बोलते थे जो हुकूमत सुन सकती थी। उन्होंने गरीबों को उठाने और उनकी बदहाली दूर करने के लिए अपनी जिंदगी दी।
- फारुख अब्दुल्ला, नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख

"मुलायम सिंह यादव जी अपने अद्वितीय राजनीतिक कौशल से दशकों तक राजनीति में सक्रिय रहे। आपातकाल में उन्होंने लोकतंत्र की पुनर्स्थापना के लिए बुलंद आवाज उठाई। वह सदैव एक जमीन से जुड़े जननेता के रूप में याद किए जाएंगे। उनका निधन भारतीय राजनीति के एक युग का अंत है।
अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

"मुलायम सिंह यादव जी का राजनीतिक कौशल अद्भुत था। दशकों तक उन्होंने भारतीय राजनीति का एक स्तंभ बनकर समाज व राष्ट्र की सेवा की। जमीन से जुड़े परिवर्तनकारी, सामाजिक सद्भाव के नेता, आपातकाल में लोकतांत्रिक मूल्यों के पक्षधर के रूप में वे सदैव याद किए जाएंगे। उनका जाना अपूर्णनीय क्षति है।
जेपी नड्डा, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

"सपा के वयोवृद्ध नेता व पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव जी के निधन की खबर अति-दुःखद है। उनके परिवार व सभी शुभचिन्तकों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। कुदरत उन सबको इस दुःख को सहन करने की शक्ति दे।
मायावती, बसपा प्रमुख

"उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी नेता मुलायम सिंह यादव जी के निधन का दुखद समाचार मिला। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं उनके सभी प्रशंसकों और परिजनों को ये अपार दुख सहने की शक्ति दें।
अरविंद केजरीवाल, सीएम दिल्ली

"मुलायम सिंह यादव जी जमीन से जुड़े एक ऐसे नेता थे जिन्होंने कई दशकों तक उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक प्रमुख भूमिका निभाई। अपने लम्बे सार्वजनिक जीवन में उन्होंने अनेक पदों पर काम किया और देश, समाज एवं प्रदेश के विकास में अपना योगदान दिया। उनका निधन बेहद पीड़ादायक है।
राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

"समाजवादी वटवृक्ष सपा संरक्षक मुलायम सिंह जी के निधन की खबर से मर्माहत हूं। देश की राजनीति में एवं वंचितों को अग्रिम पंक्ति में लाने में उनका अतुलनीय योगदान रहा। उनकी यादें जुड़ी रहेगी। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें। विनम्र श्रद्धांजलि।
लालू यादव, राजद अध्यक्ष

पत्नी के निधन के तीन महीने बाद दुनिया छोड़ गए नेताजी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा संरक्षक और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की तबीयत यूं तो पिछले दो साल से ज्यादा खराब थी, लेकिन नौ जुलाई को दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के निधन के बाद वह ज्यादा टूट गए थे। पत्नी की मौत के तीन महीने बाद ही मुलायम सिंह ने दुनिया को अलविदा कह दिया। इसी साल नौ जुलाई मेदांता अस्पताल में मुलायम सिंह यादव की पत्नी का भी निधन हुआ था। उनके निधन के एक महीने बाद ही मुलायम सिंह की तबियत ज्यादा खराब हो गई। 22 अगस्त को उन्हें मेदांता में भर्ती कराया गया था।

मुलायम सिंह ने 2003 में साधना को आधिकारिक तौर पर अपनी पत्नी का दर्जा दिया था। नौ जुलाई को साधना गुप्ता का गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल निधन हुआ था। एक जुलाई को ही साधना गुप्ता ब्लड प्रेशर, शुगर और फेफड़े के संक्रमण सहित अन्य बीमारियों की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 10 जुलाई को लखनऊ के पिपराघाट पर साधना गुप्ता का अंतिम संस्कार हुआ था। उनके बेटे प्रतीक यादव ने मुखाग्नि दी। अखिलेश यादव की बायोग्राफी बदलाव की लहर में मुलायम सिंह और साधना के रिश्ते का भी जिक्र है। इस किताब में बताया गया है कि मुलायम की मां मूर्ती देवी अक्सर बीमार रहती थीं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब साधना गुप्ता मूर्ति देवी की देखभाल करती थीं। एक बार सैफई मेडिकल कॉलेज में एक नर्स गलत इंजेक्शन लगाने जा रही थी, उस वक्त साधना ने ही नर्स को रोका था। साधना भी नर्स रही थीं। उन्होंने नर्सिंग का कोर्स करने के बाद उन्होंने कुछ दिनों तक नर्सिंग होम में काम भी किया था। जब ये बात मुलायम को मालूम हुई तो वह साधना से काफी प्रभावित हुए। अस्पताल में ही दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। साल 2003 में मुलायम सिंह यादव ने सार्वजनिक तौर पर पहली बार साधना गुप्ता को अपनी पत्नी का दर्जा दिया। उसी साल मुलायम की पहली पत्नी और अखिलेश यादव की मां मालती देवी का निधन हुआ था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, स्थानीय संपादक - सूर्यकांत त्रिपाठी*, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।